

[This question paper contains 1 printed page.]

Sr. No. of Question Paper : 5310

E

Your Roll No.....

Unique Paper Code : 205355

Name of the Course : B.A. (Prog.) Hindi Discipline

Name of the Paper : Sahitya Chintan

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. साहित्य के अध्ययन की मार्क्सवादी दृष्टि पर विचार कीजिए। (20)

अथवा

‘साहित्य जीवन की पुनर्रचना है’ - इस कथन का विवेचन कीजिए।

2. प्रगीत अथवा कहानी विधा का तात्त्विक विवेचन कीजिए। (15)

3. ‘रस का आनंद लोकोत्तर होता है’ - इस कथन की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

रस के भेदों का नामोल्लेख करते हुए वीर रस का परिचय दीजिए।

4. कविता में लय अथवा तुक की भूमिका पर विचार कीजिए। (10)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) बिंब

(ख) व्यंग्य

(ग) छंद

(15)

(200)